PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE (AUTONOMOUS)

POST GRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

COURSE STRUCTURE

PGM-HIN	Odd Semester	Even Semester
PART ONE	**First Semester**	**Second Semester**
	Core Course Credits- 08	Core Course Credits- 08
	Elective Course Credits- 08	Elective Course Credits- 08
	Total first Semester = 16	Total Second Semester = 16
PART TWO	**Third Semester**	**Fourth Semester**
	Core Course Credits- 08	Core Course Credits- 08
	Elective Course Credits- 08	Elective Course Credits- 08
	Total Third Semester = 16	Total first Semester = 16

(REVISED COURSE STRUCTURE OF HINDI) (2021-2022 onwards)

SEM	CORE COURSES			ELECTIVE COURSES			
I	**PGM-HIN-C-1** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	**PGM-HIN-C-2** प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	---	**PGM-HIN-E-1** भाषाविज्ञान	**PGM-HIN-E-2** विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	**PGM-HIN-E-3** दलित विमर्श	**PGM-HIN-E-4** अनुवाद
II	**PGM-HIN-C-3** हिन्दी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल	**PGM-HIN-C-4** आधुनिक काव्य	---	**PGM-HIN-E-5** विशेष विधा: उपन्यास	**PGM-HIN-E-6** विशेष विधा : कहानी	**PGM-HIN-E-7** आलोचक और आलोचना	**PGM-HIN-E-8** पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम
III	**PGM-HIN-C-5** भारतीय काव्यशास्त्र	**PGM-HIN-C-6** नाटक एवं रंगमंच	---	**PGM-HIN-E-9** भारतीय साहित्य	**PGM-HIN-E-10** प्रयोजनमूलक हिन्दी	**PGM-HIN-E-11** आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	**PGM-HIN-E-12** हिन्दी भाषा,लिपि, व्याकरण एवं सर्वेक्षण
IV	**PGM-HIN-C-7** पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**PGM-HIN-C-8** आधुनिक गद्य (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)	---	**PGM-HIN-E-13** मीडिया लेखन	**PGM-HIN-E-14** स्त्री विमर्श	**PGM-HIN-E-15** गद्य की अन्य विधाएँ	**PGM-HIN-E-16** शोध प्रविधि

PROGRAMME OUTCOMES

Post Graduate Department of Hindi

Programme Outcomes (PO)	Short Title of the POs	Description of the Programme Outcomes Post Graduates will be able to :
PO-1	Problem Analysis and Solutions	Think critically, identify, analyze problems/ situations and further attempt to design/ develop solutions that meet the specified goals.
PO-2	Use of Technology	Apply appropriate IT tools efficiently in their daily activities of communication and academics.
PO-3	Environment and Sustainability	Analyze and attempt solutions to environmental issues and commit themselves to sustainable development in the local/ national and global context.
PO-4	Ethics	Recognize and understand professional ethics /human values and be responsible for the same.
PO-5	Individual and Team work	Function effectively at various levels, capacities and situations.
PO-6	Communication	Communicate proficiently (oral and written) as a responsible member of society.
PO-7	Research Aptitude	Understand general research methods and be able to analyse, interpret and derive rational conclusions.
PO-8	Life Skills	Recognize the need for, and have the preparation and ability to engage in independent and life-long learning in the broadest context of domain specific change.
PROGRAMME LEARNING OUTCOMES (PLO)		
PLO-1	भाषिक क्षमता का विकास	• भाषा विज्ञान एवं व्याकरण के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता का विकास होगा।विद्यार्थी हिन्दी भाषा के इतिहास से परिचित होंगे। • स्थानीय स्तर पर भाषिक सर्वेक्षण के उपरांत विद्यार्थी सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों से परिचित होंगे और इसमें उन्हें भाषिक भूमिका के महत्त्व का ज्ञान होगा।
PLO-2	हिंदी साहित्य, भारतीय साहित्य, साहित्येतिहास का	• साहित्य की विभिन्न विधाओं एवं साहित्येतिहास के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्य की परंपरा से अवगत होंगे और उनमें मानवीय

	अध्ययन एवं मूल्यांकन तथा विभिन्न विमर्शों के माध्यम से समाज की स्थितियों का ज्ञान।	संवेदना और सर्जनात्मक प्रतिभा का विकास होगा। • विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं के साहित्य का अध्ययन करके परस्पर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आत्मिक धरातल परस्पर जुड़ेंगे और भाषिक आदानप्रदान सहज एवं सरल होगा।- • दलित विमर्श एवं स्त्री विमर्श जैसे विषयों से विद्यार्थी को समाज में उनकी दशाओं और उनकी भूमिकाओं का ज्ञान होगा। इससे विद्यार्थी उनकी स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए एक सार्थक और सर्जनात्मक हस्तक्षेप कर पाएंगे।
PLO-3	समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न आंदोलनों का ज्ञान।	• साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न आंदोलनों के आधार पर साहित्य के मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी। • विद्यार्थी किसी भी कृति का निरपेक्ष भाव से विश्लेषणात्मक तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मूल्यांकन कर सकेंगे। रचना की उपादेयता को समसामयिक परिवेश में रख सकेंगे। एक समीक्षक तौर पर स्वयं को स्थापित करने की प्रेरणा मिलेगी।
PLO-4	मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता का अध्ययन तथा प्रयोजनमूलक हिंदी का सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रयोग।	• समाचारपत्र-, रेडियो, दूरदर्शन एवं इंटरनेट पत्रकारिता के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अध्ययन से मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगे। • विविध क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में हिंदी के व्यावसायिक अनुप्रयोग क्षमता विकसित होगी।
PLO-5	शोध कार्य की प्रक्रिया का ज्ञान।	• शोध प्रविधि के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी-शोध की दिशा में प्रवृत्त होंगे। विद्यार्थियों को शोध-लेखन की जानकारी होगी। शोधार्थी की योग्यता का ज्ञान होगा। शोध के स्रोतों, साधनों और विविध सोपानों से परिचित होंगे।

Course Learning Outcomes-

Sr. No.	Course Code	Course Title	Course Outcomes
1	PGM-HIN-C-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	1. साहित्य के इतिहास दर्शन का ज्ञान होगा एवं साहित्येतिहास लेखन के स्रोतों से परिचित होंगे। 2. हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्यप्रवृत्तियों - से परिचित होंगे।

			3. भक्ति आंदोलन एवं रीतिकालीन परिवेशसे परिचित होंगे। 4. प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।
2	PGM-HIN-C-2	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	1. विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्ययुगीन कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2. हिंदी काव्य परंपरा और समाज पर पड़े उसके प्रभाव का ज्ञान होगा। 3. मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी। 4. विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगेतथा उनमें काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी।
3	PGM-HIN-E-1	भाषा विज्ञान	1. भाषा, बोली और समाज के आपसी संबंधों से परिचित होंगे तथा भाषा और भाषा विज्ञान के पारस्परिक संबंध का ज्ञान होगा। 2. भाषा एवं भाषाविज्ञान के स्वरूप एवं अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे।ध्वनि की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 3. रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 4. अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।
4	PGM-HIN-E-2	विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	1. विद्यार्थी अज्ञेय के संपूर्ण साहित्य से परिचित होंगे। 2. व्यष्टि और समष्टि चेतना को समझ सकेंगे। 3. आधुनिक हिन्दी साहित्य में अज्ञेय के योगदान का ज्ञान होगा। 4. अज्ञेय के बहुआयामी व्यक्तित्व से प्रेरित होकर सृजनात्मक रूप से समाज में अपना योगदान दे सकेंगे।
5	PGM-HIN-E-3	दलित विमर्श	1. दलित साहित्य और मुख्य धारा के साहित्य के बीच संबंधों को समझ सकेंगे। 2. दलित चेतना के स्वरूप, महत्त्व उसके सौंदर्यशास्त्र से परिचित होंगे। 3. परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 4. दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे।

6	PGM-HIN-E-4	अनुवाद	1. अनुवाद प्रक्रिया-और उसके महत्त्व को समझेंगे तथा उसके भेड़ों से परिचित होंगे। 2. भारतीय साहित्य के विकास की दृष्टि से अनुवाद की महत्ता समझ सकेंगे। 3. अनुवाद कार्य में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे। 4. रोजगार की दृष्टि से अनुवाद कार्य में प्रवृत्त होंगे।
7	PGM-HIN-C-3	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	1. आधुनिक हिंदी साहित्य और उसके परिवेश से परिचित होंगे। साथ ही परंपरा में आए परिवर्तनों को भी समझ सकेंगे। 2. आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 3. हिंदी कहानी, उपन्यास, निबंध, नाटक के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे। 4. गद्य की इतर विधाओं, परंपरा और उसके महत्त्व से परिचित होंगे।
8	PGM-HIN-C-4	आधुनिक काव्य	1. आधुनिक काल के प्रमुख काव्य ग्रन्थों से परिचित होंगे। 2. समाज की विविध्र दिशाओं में आधुनिक कविता के योगदान को जान पाएंगे। 3. आज़ादी के पूर्व और आज़ादी के बाद कविता की भूमिका को समझ सकेंगे। 4. विद्यार्थी पूर्ववर्ती कविता से अंतर को समझ सकेंगे और काव्य सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।।
9	PGM-HIN-E-5	विशेष विधा: उपन्यास	1. उपन्यास विधा के स्वरूप, तत्व एवं उसके विकासक्रम से परिचित होंगे। 2. 'गोदान' उपन्यास के माध्यम से एक किसान के जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे। 3. 'राग दरबारी' के माध्यम से उपन्यास में व्यंग्य के महत्त्व और स्वातंत्र्योत्तर भार की विसंगतियों से परिचित होंगे। 4. 'मानस का हंस' उपन्यास के माध्यम से मध्यकालीन समाज और तुलसीदास के जीवन से अवगत होंगे।
10	PGM-HIN-E-6	विशेष विधा: कहानी	1. विद्यार्थी हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे। 2. चर्चित कहानियों के माध्यम से कहानी विधा और समाज के संबंधों से अवगत होंगे। 3. विद्यार्थियों के भीतर कहानी की समीक्षा दृष्टि विकसित होगी और कहानीलेखन - की दिशा मेंप्रवृत्त होंगे।

			4. कहानी विधा में विभिन्न युगों में हुए बदलावों से परिचित होंगे और हिंदी कहानी में शीर्षस्थ कहानीकारों के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।।
11	PGM-HIN-E-7	आलोचक और आलोचना	1. हिंदी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त करेंगे और आलोचना के प्रतिमानों को समझ सकेंगे। 2. हिंदी आलोचना पर पड़े प्रभावों को समझ सकेंगे। 3. विद्यार्थियों में एक आलोचक दृष्टि विकसित होगी। 4. किसी चीज़ को लेकर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा।
12	PGM-HIN-E-8	पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम	1. विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2. रेडियो के क्रमिक विकास का ज्ञान होगा। 3. सिनेमा एवं दूरदर्शन के उद्भव और विकास तथा उसके विविध पहलुओं से परिचित होंगे। 4. जनसंचार के विविध माध्यमों से परिचित होंगे तथा विद्यार्थियों में रेडियो पत्रकारिता, टेलीविजन पत्रकारिता एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।
13	PGM-HIN-C-5	भारतीय काव्यशास्त्र	1. विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2. काव्य आस्वादन में भारतीय सिद्धांतों के महत्त्व को समझ सकेंगे। 3. साहित्यसृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र - की उपयोगिता को समझेंगे। 4. भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।
14	PGM-HIN-C-6	नाटक एवं रंगमंच	1. हिन्दी नाट्य परंपरा के क्रमिक विकास का ज्ञान होगा एवं विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्त्वों से परिचित होंगे। 2. भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे। 3. अभिनय कौशल में कुशलता प्राप्त करेंगे। 4. हिंदी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी। नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।
15	PGM-HIN-E-9	भारतीय साहित्य	1. विभिन्न भाषाओं में लिखे जा रहे साहित्य से परिचित होंगे। 2. लेखकीय दृष्टि को समझ सकेंगे। 3. भारतीय साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता एवं एकीकरण का भाव विकसित विकसित होगा। 4. अन्य भाषाओं के साहित्य का हिन्दी भाषा-

			साहित्य के साथ जुड़ाव को समझ सकेंगे।
16	PGM-HIN-E-10	प्रयोजनमूलक हिंदी	1. विद्यार्थीप्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2. राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3. रोजगार की प्राप्ति की दिशा में कुशलता प्राप्त करेंगे और व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्राचार में सक्षम होंगे। 4. हिंदी के प्रचारप्रसार में इंटरनेट की - भूमिका को समझ सकेंगे।
17	PGM-HIN-E-11	आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	1. साहित्य में निहित विचारधाराओं से परिचित हो सकेंगे। 2. साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 3. साहित्य की अन्य शाखाओं के अंतसंबंध : को समझेंगे। 4. विभिन्न आंदोलनों का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे।
18	PGM-HIN-E-12	हिंदी भाषा, लिपि, व्याकरण एवं सर्वेक्षण	1. विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2. देवनागरी लिपि के विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। 3. हिंदी की वर्णरचना से -व्यवस्था एवं रूप-परिचित होंगे और विद्यार्थियों में भाषा कौशल का विकास होगा। 4. सर्वेक्षण के माध्यम से स्थानीय भाषा एवं संस्कृति को समझ सकेंगे।
19	PGM-HIN-**C-7**	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2. पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी। 3. पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा की विविध प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे। 4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।
20	PGM-HIN-C-8	आधुनिक कहानी (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)	1. गद्य की प्रतिनिधि विधाओं से परिचित होंगे। 2. विद्यार्थियों को रचनाओं के माध्यम से समाज की विभिन्न स्थितियों का ज्ञान होगा। 3. उनमें संवेदनशीलता विकसित होगी और व्यावहारिक दृष्टि विकसित होगी। 4. विद्यार्थी सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।
21	PGM-	मीडिया लेखन	1. विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के

	HIN-E-13		सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा। 2. रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 3. विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा। 4. रोजगार की दृष्टि से सिनेमालेखन से - परिचित होंगे और इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।
22	PGM-HIN-E-14	स्त्री विमर्श	1. नारी आंदोलन एवं उसमें नारी लेखन की भूमिका से अवगत होंगे। 2. स्त्री की दशा एवं उनके संघर्षमय लेखन से परिचित होंगे। 3. परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 4. महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे और उनकी सामाजिक समस्याओं तथा नारी चेतना का ज्ञान होगा।
23	PGM-HIN-E-15	गद्य की अन्य विधाएँ	1. विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे। 2. संस्मरण और यात्रावृतांत लेखन के - मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3. आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकासक्रम को समझेंगे।- 4. विद्यार्थियों में सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा।
24	PGM-HIN-**E-16**	शोध प्रविधि	1. विद्यार्थी शोध की पूरी प्रक्रिया एवं प्रविधियोंसे अवगत होंगे। 2. शोध के दौरान आने वाली समस्याओं के प्रति जागरूक होंगे। 3. शोध के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान होगा। 4. विद्यार्थी भविष्य में शोध कार्य में प्रवृत्त होंगे।

****

PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE (AUTONOMOUS)

POST GRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

REVISED SYLLABUS OF M.A. HINDI (in 2020-2021)
(BOS Meeting – 15.05.2021)

<u>Semester – I</u>

Course Title:हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)
Course Code: PGM-HIN-C-1
Marks: 100
Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की विस्तृत जानकारी देना। इससे विद्यार्थी आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के साहित्य से परिचित होंगे। साथ ही वे साहित्य और समाज के संबंध से भी परिचित होंगे।

Learning Outcome:

1) साहित्य के इतिहास दर्शन का ज्ञान होगा।
2) साहित्येतिहास लेखन के स्रोतों से परिचित होंगे।
3) हिंदी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्यप्रवृत्तियों से परिचित होंगे।-
4) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे।
5) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
6) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं का परिचय प्राप्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका **(12 Hours)**

1. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास।

2.हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन के स्रोत।

3.हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा।

4.काल विभाजन एवं नामकरण।

इकाई दो- आदिकाल **(12 Hours)**

1.नाथ, सिध्द और जैन साहित्य।

2.रासो काव्य की परंपरा और उसकी प्रामाणिकता।

3.लौकिक साहित्य।

इकाई तीन – भक्तिकाल **(12 Hours)**

1.संत काव्यधारा।

2.सूफी काव्यधारा।

3.राम-भक्ति काव्य।

4.कृष्ण भक्तिकाव्य।

इकाई चार –रीतिकाल **(12 Hours)**

1. रीतिकाल का उद्भव एवं विकास
2. रीतिकाल की विविध शाखाएँ:

क) रीतिबद्ध काव्य।
ख) रीतिसिद्ध काव्य।
ग) रीतिमुक्त काव्य।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंको की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1)12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हींतीन) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, विश्वभारती प्रकाशन नागपुर, 2005
2. नगेन्द्र (सं), *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, मयूर पेपर बैक्स नोएडा-201301, 2015
3. बच्चन सिंह, *'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
4. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2010
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2007
7. डॉ. फणीश सिंह, *'हिन्दी साहित्य एकपरिचय'*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
8. डॉ. शिवकुमार शर्मा, *'हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ'*, मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर, 2015
9. सुमन राजे, *'हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास'*, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2003
10. हिंदी साहित्य का अतीत, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2014

11. हिंदी साहित्य का इतिहास, विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली,2015
12. हिंदी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
13. हिंदी साहित्य उद्भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
14. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वॉन, नई दिल्ली,2013
15. वासुदेव सिंह, *'हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास' खंड- 1 और खंड-2*,संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1982

****

Course Title: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Course Code: PGM-HIN-C-2
Marks: 100
Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक के प्रमुख कवियों की कविताओं की जानकारी देना। साथ ही इन प्रमुख कवियों के जीवन और उनकी काव्य दृष्टि से परिचित कराना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्ययुगीन कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) हिन्दी काव्य परंपरा और समाज पर पड़े उसके प्रभाव का ज्ञान होगा।
3) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी।
4) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे।
5) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई एक - आदिकालीन कवि विद्यापति एवं गोरखनाथ **(12 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य।
2. विद्यापति और गोरखनाथ का काव्य: कला पक्ष और भाव पक्ष।
3. निर्धारित पाठ्य पुस्तक. विद्यापति पदावली-रामवृक्ष बेनीपुरी

पद संख्या: वंदना – 1,

वय:संधि-4

नख शिख-10

प्रेम प्रसंग-27,34

विरह-187,191

4. निर्धारित पाठ्य पुस्तक – गोरखबानी (संपादक पीतांबरदत्त बड़थ्वायल) से 15 पद।

इकाई दो –निर्गुण कवि: कबीर एवं मलिक मोहम्मद जायसी **(12 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य।
2. कबीर एवं मालिक मोहम्मद जायसी: कला पक्ष और भाव पक्ष।
3. निर्धारित पाठ्य पुस्तक – कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
   पद संख्या : 1,2 ,5 ,12 ,22 ,33 ,66 ,67 ,130 ,134 .
4. निर्धारित पाठ्य पुस्तक जायसी ग्रंथावली - संपादक - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागमती वियोग खंड-

इकाई तीन - सगुण कवि: गोस्वामी तुलसीदास एवं सूरदास **(12 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य।
2. तुलसीदास एवं सूरदास का काव्य: कला और भाव पक्ष।
3. निर्धारित पाठ्य पुस्तक -रामचरितमानस - गोस्वामी तुलसीदास;
   उत्तरकाण्ड- दोहा क्रमांक 114 ख से 122 ख तक
4. निर्धारित पाठ्य पुस्तक – भ्रमरगीतसार – सूरदास – संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल
   पदसंख्या :9, 21, 23, 25, 29, 34, 36, 38, 41, 64.

इकाई चार - रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त कवि: बिहारी एवं घनानंद **(12 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. बिहारी और घनानन्द का काव्य-सौन्दर्य।
3. निर्धारित पाठ्यपुस्तक (सं) बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथदास रत्नाकर
   दोहा संख्या -1, 2, 13, 16, 25, 35, 38, 41, 73, 94, 160, 188.

6. निर्धारित पाठ्य पुस्तक- घनानंद कवित्त (सं) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
   कवित्त संख्या: 1,2,15,41,46,58,70,75,77,84.

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणीयाँ (चार में से किन्ही दो) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विद्यापति, डॉ° शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2010
2. मालिक मुहम्मद जायसी, संपा° विनोद चन्द्र पाण्डेय, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1966
3. पद्मावत, संपादक - माताप्रसाद गुप्त, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1965
4. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1993,
5. कबीर मीमांसा, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2003
6. पूरा कबीर, संपा° डॉ°बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली,2005
7. तुलसीदास, डॉ° माताप्रसाद गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2002
8. तुलसी काव्य मीमांसा, उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,2002
9. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,1997
10. घनानंद काव्य और आलोचना, डॉ° किशोरीलाल, साहित्य भवन, प्रा°लि°, इलाहाबाद,1987

****

Course Title: भाषाविज्ञान
Course Code: PGM-HIN-E-1
Marks: 100
Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को भाषा और भाषा विज्ञान की जानकारी देना। उन्हें भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं से परिचित कराना। साथ ही भाषा विज्ञान की पाश्चात्य परंपरा एवं भाषा, बोली एवं समाज के आपसी संबंध को बताना।

Learning Outcome:

1) भाषा और भाषा विज्ञान के पारस्परिक संबंध से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी भाषा, बोली और समाज के आपसी सम्बन्धों से परिचित होंगे।
3) भाषा एवं भाषाविज्ञान के स्वरूप एवं अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे।
4) ध्वनि की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी।
5) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा।
6) अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक – भाषाविज्ञान **(12 Hours)**

1. भाषा : परभाषा, स्वरूप एवं अभिलक्षण।
2. भाषा विज्ञान : परिभाषा स्वरूप एवं शाखाएँ।
3. भारोपीय भाषा परिवार।

इकाई दो – ध्वनि विज्ञान **(12 Hours)**

1. ध्वनि :परिभाषा एवं स्वरूप।
2. ध्वनियों का वर्गीकरण।
3. ध्वनिगुण : मात्रा, आघात, वृत्ति एवं अनुतान।
4. ध्वनि परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ
5. स्वनि: परिभाषा एवं भेद

इकाई तीन - रूप विज्ञान **(12 Hours)**

1. शब्द और रूप।
2. अर्थतत्व और संबंध तत्व।
3. रूप परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ।
4. रुपिम : परिभाषा एवं भेद।

इकाई चार - वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान **(12Hours)**

1. वाक्य : अवधारणा एवं स्वरूप
2. वाक्य के भेद ।
3. अर्थ :परिभाषा एवं स्वरूप
4. शब्द और अर्थ का संबंध।
5. अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
    - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
    - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
    - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
    - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
    - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
    - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
    - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्ही तीन) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2015
2. भोलानाथतिवारी, ‘*भाषाविज्ञान*’, किताबमहल, इलाहाबाद, 1987
3. भाषा विज्ञान का रसायन, कैलाशनाथ पाण्डेय,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2012
4. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ॰कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. भाषा विज्ञान: सैद्धान्तिक चिंतन, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2013
6. भाषा विज्ञान: हिन्दी भाषा और लिपि, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2007
7. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2004
8. हिन्दी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2016
9. अद्यतन भाषा विज्ञान प्रथम प्रामाणिक विमर्श, पाण्डेय, शशीभूषण ‘शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2012
10. मानक हिन्दी का स्वरूप, भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2006
11. हिन्दी: भाषा, राजभाषा और लिपि, परमानंद पांचाल, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली, संस्करण-2008
12. अच्छी हिन्दी, रामचन्द्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2008
13. डॉ. जितेन्द्र वत्स, डॉ. देवेन्द्र प्रसाद सिंह, ‘*भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा*’, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
14. डॉ. नरेश मिश्र, ‘*भाषा और भाषाविज्ञान*’, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
15. डॉ. रामप्रकाश, ‘*मानक हिन्दीःस्वरुप एवं संरचना*’, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1991

16. हिंदी व्याकरण,पं॰ कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशक प्रकाशन संस्थान, दरियागंज नयी दिल्ली-110 002 संस्करण : सन् 2009

******

Course Title: विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
Course Code: PGM-HIN-E-2
Marks: 100
Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी के विशेष रचनाकार अज्ञेय के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित कराना। साथ ही अज्ञेय का व्यक्तित्व, उनका परिवेश, उनकी व्यष्टि चेतना और प्रयोगवाद की विशेषताओं की जानकारी देना इसमें शामिल है।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी अज्ञेय के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित होंगे।
2) व्यष्टि और समष्टि चेतना को समझ सकेंगे।
3) आधुनिक हिन्दी साहित्य में अज्ञेय के योगदान का ज्ञान होगा।
4) अज्ञेय के बहुआयामी व्यक्तित्व से प्रेरित होकर सृजनात्मक रूप से समाज में अपना योगदान दे सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक – अज्ञेय : व्यक्ति परिचय एवं रचना संसार **(12 Hours)**

1. अज्ञेय: व्यक्तित्व कृतित्व एवं परिवेश
2. अज्ञेय की काव्य दृष्टि।
3. अज्ञेय के काव्य का शिल्प विधान।

इकाई दो- अज्ञेय: प्रतिनिधि कविताएं एवं जीवन परिचय - संपादक. विद्यानिवास मिश्र

(12 Hours)

1. आज थका हिय हारिल मेरा।
2. नदी के द्वीप।
3. लंबी कविता -असाध्य -वीणा।

इकाई तीन- उपन्यास साहित्य **(12 Hours)**

1. शेखर एक जीवनी।

इकाई चार – कहानी एवं निबंध साहित्य **(12 Hours)**

1. अज्ञेय की चुनी हुई दो कहानियाँ: 'रोज' और 'मुस्लिम-मुस्लिम भाई-भाई।
2. अज्ञेय के दो चयनित निबंध:
   1. साहित्य बोध: आधुनिकता के तत्त्व
   2. साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ - (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विश्वंभर मानव, राम किशोर शर्मा, '*आधुनिक कवि*', लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद ,2008
2. संपादक विद्या निवास मिश्र , '*अज्ञेय प्रतिनिधि कविताएँ*' ,दिल्ली ,राजपाल एण्ड सन्स ,2005
3. सच्चिदानंद चतुर्वेदी ,'*अज्ञेय के निबंध*' ,हैदराबाद ,मिलिंद प्रकाशन ,2009
4. बच्चन सिंह ,'*आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास*' ,इलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन ,2005
5. डॉ ,कामना श्रीवास्तव .'*अज्ञेय की कहानियाँ: वैचारिक आयाम*',दिल्ली ,शिल्पायन प्रकाशन ,2014
6. पूनम गुप्ता ,'*अज्ञेय की कविताओं में मनुष्य की अवधारणा*' ,दिल्ली ,शिल्पायन प्रकाशन ,2014
7. '*अज्ञेय काव्य में प्रतिबिम्ब और मिथक*' ,दिल्ली ,राजकमल प्रकाशन ,2009

*****

Course Title: दलित विमर्श

Course Code: PGM-HIN-E-3

Marks: 100

Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

आज दलित विमर्श हर भारतीय भाषा में एक आंदोलन के रूप में उभरकर आया है। यह हिन्दी में भी अपना एक स्थान बना चुका है। इस पाठ्यक्रम का उददेश्य विद्यार्थियों को हिन्दी के दलित साहित्य से परिचित कराना है।

Learning Outcome:

1) दलित साहित्य और मुख्य धारा के साहित्य के बीच सम्बन्धों को समझ सकेंगे।
2) दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्र से परिचित होंगे।
3) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।
4) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे।
5) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे।
6) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - दलित साहित्य की अवधारणा **(12 Hours)**

1. दलित साहित्य का विकास।
2. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र।

इकाई दो - आत्मकथा **(12 Hours)**

1. दोहरा अभिशाप - कौशल्या बैसंत्री।

इकाई तीन - कथा साहित्य **(12 Hours)**

1. उपन्यास

उधर के लोग- अजय नावरिया।

इकाई चार – कविता **(12 Hours)**

1. बस्स बहुत हो चुका- ओमप्रकाश वाल्मीकि।
2. (चयनित पाँच कविताएँ)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्नटिप्पणियाँ- (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. टी .वी.कट्टीमनी , ‘*दलित साहित्य का समाज विज्ञान*’शिल्पायन , प्रकाशन,दिल्ली ,2014
2. ओमप्रकाश वाल्मीकि , ‘*दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र*’ ,दिल्ली ,राजकमल प्रकाशन ,2010
3. सुशीला टाकभौरे , ‘*हाशिए का विमर्श*’ ,दिल्ली ,शिल्पायन प्रकाशन ,2015
4. विमल थोरात , ‘*दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर*’ ,नयी दिल्ली ,अनामिका पब्लिशर्स ,2008
5. डॉ ,संजय मुनेश्वर . ‘*हिन्दी का दलित आत्मकथा साहित्य*’ ,कानपुर ,चन्द्रलोक प्रकाशन ,2011
6. डॉ ,रजत रानी मीनू .डॉ ,श्यौराज सिंह बेचैन . ‘*दलित दखल*’ ,गाजियाबाद ,श्री साहित्यिक संस्थान , 2001

******

Course Title: अनुवाद

Course Code: PGM-HIN-E-4

Marks: 100

Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

आज का युग अनुवाद का युग है। साहित्यिक और कार्यालयीन सभी क्षेत्रों में अनुवाद कार्य तेजी से हो रहा है। इस पाठ्यक्रम से अनुवाद की परिभाषा, उसका सिद्धांत, उसके भेद, उसकी प्रक्रिया, सीमाएँ एवं प्रासंगिकता की विद्यार्थियों को जानकारी देना शामिल है।

Learning Outcome:

1) अनुवादप्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे।-
2) अनुवाद के भेदों से परिचित होंगे।
3) भारतीय साहित्य के विकास की दृष्टि से अनुवाद की महत्ता समझ सकेंगे।
4) अनुवाद कार्य में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
5) रोजगार की दृष्टि से अनुवाद कार्य में प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - अनुवाद : स्वरूप एवं भेद **(12 Hours)**

1. परिभाषा, स्वरूप।
2. सिद्धांत एवं प्रक्रिया।
3. महत्त्व एवं सीमाएँ।
4. प्रकृति के आधार पर अनुवाद के प्रकार:
   क. शब्दानुवाद।
   ख. भावानुवाद।

ग. छायानुवाद।
घ. आशु अनुवाद।

इकाई दो – विषय आधारित अनुवादः स्वरूप एवं समस्याएं **(12 Hours)**

1. कार्यालयी अनुवाद।
2. साहित्यिक अनुवाद।
3. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद।
4. मीडिया गत अनुवाद ।

इकाई तीन - अनुवाद के साधन **(12 Hours)**

1. शब्दकोश।
2. पारिभाषिक शब्दावली।
3. साहित्य कोश।
4. समांतर कोश।
5. ईउपकरण।-

इकाई चार - अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष **(12 Hours)**

1. पुनरीक्षण, समीक्षा एवं मूल्यांकन।
2. अंग्रेजी से हिंदी, कोंकणी से हिंदी, मराठी से हिंदी।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्नटिप्पणियाँ- (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भग्रंथ

1. डॉ. भारती गोरे , *'अनुवाद निरूपण'* ,कानपुर ,विकास प्रकाशन ,2004
2. डॉ ,अम्बादास देशमुख . *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'* ,कानपुर ,शैलजा प्रकाशन ,2006
3. डॉ ,सुरेश सिंहल . *'अनुवादः अनुभूति और अनुभव'* ,नयी दिल्ली ,संजय प्रकाशन ,2006
4. विनोद गोदरे , *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'* ,नयी दिल्ली ,वाणी प्रकाशन ,2007
5. डॉ ,सुरेश सिंहल . *'अनुवादः अवधारणा और आयाम'*, संजय प्रकाशन ,नयी दिल्ली ,2006
6. डॉ ,राजमल बोरा . *'अनुवाद क्या है'* ,नयी दिल्ली ,वाणी प्रकाशन ,1996

*****

<u>Semester II</u>

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल
Course Code: PGM-HIN-C-3
Marks: 100
Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक काल की सभी विधाओं की जानकारी देना। यह बताना कि किस तरह हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल में कविता के साथ-साथ गद्य की धाराएँ भी विकसित होती रहीं। इसमें गद्य की अन्य विधाओं के साथ दक्खिनी हिन्दी भी शामिल है।

Learning Outcome:

1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश से परिचित होंगे।
2) आधुनिक काल के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित होंगे।
3) हिन्दी साहित्य में आए बदलाओं और उसके कारणों को समझ सकेंगे।
4) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
5) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।
6) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।
7) गद्य की इतर विधाओं, परंपरा और उसके महत्त्व से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - आधुनिक हिन्दी साहित्य **(12 Hours)**

1. भारतेन्दु युग।
2. द्विवेदी युग।
3. छायावाद।
4. राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा।

इकाई दो - छायावादोत्तर काव्य का संक्षिप्त परिचय **(12 Hours)**

1. प्रगतिवाद।
2. प्रयोगवाद।

3. नयी कविता।
4. समकालीन कविता।

इकाई तीन - हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का स्वरूप एवं विकास (12 Hours)

1.नाटक एवं एकांकी।
2.कहानी।
3.उपन्यास।
4.निबंध।

इकाई चार – गद्य की अन्य विधाएँ (12 Hours)

1. रेखाचित्र एवं संस्मरण।
2. यात्रा वृतांत।
3. आत्मकथा।
4. जीवनी।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणीयाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. बच्चन सिंह, *'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1996
2. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर,2005
3. प्रो. वासुदेव सिंह, *'हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास'*, संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1982
4. बच्चन सिंह, *' आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2005
5. डॉ.शिवकुमार शर्मा, *'हिन्दी साहित्यःयुग और प्रवृत्तियाँ'*, मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर, 2015
6. नामवर सिंह, *'आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998

******

Course Title: आधुनिक काव्य

Course Code: PGM-HIN-C-4

Marks: 100

Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक काल के प्रमुख कवियों की कविताओं से परिचित कराना। यह बताना कि आधुनिक काल की कविताएँ अपने पूर्ववर्ती काव्य से किस बिन्दु पर अलग हैं और उनसे आगे बढ़ी हैं।

Learning Outcome:

1) आधुनिक काल के प्रमुख काव्य ग्रन्थों से परिचित होंगे।
2) समाज की विविध्ध दिशाओं में आधुनिक कविता के योगदान को जान पाएंगे।
3) आज़ादी के पूर्व और आज़ादी के बाद कविता की भूमिका को समझ सकेंगे।
4) पूर्ववर्ती कविता से अंतर को समझ सकेंगे।
5) विद्यार्थी काव्य सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक- कामायनी :जयशंकर प्रसाद।(श्रद्धा सर्ग, लज्जा सर्ग) **(12 Hours)**

इकाई दो -1. राग-विराग, पं॰ सूर्यकांत त्रिपाठी,'निराला'**।** **(12 Hours)**
(सरोज स्मृति, राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता)

इकाई तीन –1**.** चांद का मुंह टेढ़ा है मुक्तिबोध – **(12 Hours)**
(ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में)।

इकाई चार - 1. रश्मिरथी, रामधारी सिंह 'दिनकर'। **(12 Hours)**

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।
2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न – टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विश्वम्भर मानव ,राम किशोर शर्मा ,'*आधुनिक हिन्दी काव्य*' ,इलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन , 2008
2. निरालाआत्महंता आस्था :, दूधनाथ सिंह, नयी दिल्ली,लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद ,2009
3. निराला और मुक्तिबोधचार लंबी कविताएं :, नंदकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2014
4. विवेक निराला ,'*निराला के साहित्य में प्रतिरोध के स्वर*' ,इलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन ,2010
5. दिनकर अर्धनारीश्वर कवि, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2013
6. दिनकर, संपा॰ सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,1998
7. नामवर सिंह ,'*आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ*' ,इलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन ,1998
8. कामायनी : एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
9. कल्याणमल लोढा ,'*कामायनी*' 1976 ,नयी दिल्ली ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,
10. मुक्तिबोध विवेक-कविता और जीवन :, चन्द्रकान्त देवताले, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,2003
11. मुक्तिबोध की कविताई, अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,2003

*****

Course Title: विशेष विधा: उपन्यास
Course Code: PGM-HIN-E-5
Marks: 100
Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी की उपन्यास विधा से परिचित कराना और साथ ही हिन्दी के कुछ चर्चित उपन्यासों के माध्यम से उपन्यास के यथार्थ और आदर्श पक्ष को विद्यार्थियों के समक्ष रखना। उन्हें एक समीक्षात्मक दृष्टि की ओर प्रेरित करना।

Learning Outcome:

1) उपन्यास विधा के स्वरूप एवं तत्त्व को समझेंगे।
2) उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे।
3) उपन्यास के कथ्य और समाज के संबंध को जान पाएंगे।
4) 'गोदान' उपन्यास के माध्यम से एक किसान के जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे।
5) 'राग दरबारी' के माध्यम से उपन्यास में व्यंग्य के महत्त्व और स्वातंत्र्योत्तर भारत की विसंगतियों से परिचित होंगे।
6) 'मानस का हंस' उपन्यास के माध्यम से मध्यकालीन समाज और तुलसीदास के जीवन से अवगत होंगे।
7) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।
8) भाषा और सृजनात्मक प्रतिभा विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई एक- गोदान – प्रेमचंद **(12 Hours)**

इकाई दो- बाणभट्ट की आत्मकथा - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी **(12 Hours)**

इकाई तीन- राग दरबारी - श्रीलाल शुक्ल **(12 Hours)**

इकाई चार- मानस का हंस – अमृतलाल नागर **(12 Hours)**

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।

- तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणीयाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भग्रंथ

1. डॉ ,अनिल सिंह . *'आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास'* ,ज्ञान प्रकाशन कानपुर ,2014
2. डॉबेचन ., *'आधुनिक हिन्दी उपन्यास : उदभव और विकास'* ,दिल्ली ,सन्मार्ग प्रकाशन,1971
3. डॉज्ञान अस्थाना ., *'हिन्दी उपन्यासों में ग्राम समस्याएँ'*, जवाहर पुस्तकालय ,मथुरा ,1979
4. संपादक ओमप्रकाशक त्रिपाठी, *'हिन्दी के कालजयी उपन्यास'* ,कानपुर ,विद्या प्रकाशन ,2013
5. सम्पादक पी ,विजयन .वी. *'प्रेमचंद: साहित्य और संवेदना'*, जवाहर पुस्तकालय ,मथुरा ,2005
6. डॉ ,शोभा वेरेकर . *'साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों का शिल्प विकास'* ,पीयूष प्रकाशन , दिल्ली,2001

****

Course Title: विशेष विधा: कहानी

Course Code: PGM-HIN-E-6

Marks: 100

Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी की कहानी विधा से परिचित कराना। साथ ही कुछ चर्चित कहानियों के माध्यम से हिन्दी कहानी और समाज के सम्बंध को विद्यार्थियों तक पहुँचाना। विद्यार्थियों के भीतर कहानी की समीक्षा दृष्टि पैदा करना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे।
2) चर्चित कहानियों के माध्यम से कहानी विधा और समाज के सम्बन्धों से अवगत होंगे।
3) विद्यार्थियों के भीतर कहानी की समीक्षा दृष्टि विकसित होगी।
4) कहानी विधा में विभिन्न युगों में हुए बदलावों से परिचित होंगे।
5) हिन्दी कहानी में शीर्षस्थ कहानीकारों के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
6) कहानीलेखन की दिशा में प्रवृत्त होंगे।-

Syllabus:

इकाई एक - 1. दुलाईवाली – राजेंद्रबाला घोष (बंग महिला) **(12 Hours)**
2. दुनिया का अनमोल रतन - प्रेमचंद
3. आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद
4. राही - सुभद्रा कुमारी चौहान

इकाई दो – 1. अपना अपना भाग्य- जैनेंद्र **(12 Hours)**
2. कानों में कँगना- राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह
3. तीसरी कसम- फणीश्वर नाथ रेणु
4. राजा निरबंसिया- कमलेश्वर

इकाई तीन – 1. पिता-ज्ञानरंजन **(12 Hours)**
2.कृष्णा सोबती -सिक्का बदल गया
3.कोसी का घटवार- शेखर जोशी
4.शिवप्रसाद सिंह - नन्हों

इकाई चार –1. अमृतसर आ गया है- भीष्म साहनी **(12 Hours)**
2. परिंदे- निर्मल वर्मा
3. कसाईबाड़ा- शिवमूर्ति
4. उदय प्रकाश- तिरिछ

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ-(चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. गोपाल राय , *'हिन्दी कहानी का इतिहास'* भाग-1 ,दिल्ली ,राजकमल प्रकाशन ,2011
2. पुष्पपाल सिंह , *'कहानी का उत्तर समय'* ,सामयिक बुक्स ,2013
3. संपादक सोनिया सिरसाट , *'हिन्दी कहानीः परम्परा एवं प्रयोग'* ,नयी दिल्ली ,अकादमिक प्रतिभा , 2010
4. डॉ ,रामचन्द्र तिवारी . *'हिन्दी का गद्य साहित्य'* ,वाराणसी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन ,1968
5. जैनेन्द्र कुमार , *'कहानीः अनुभव और शिल्प* पूर्वो ,दय प्रकाशन ,दिल्ली ,1967
6. संपादक सोमेश्वर पुरोहित , *'कहानीः नईपुरानी-'* ,अहमदाबाद ,नवजीवन प्रकाशन मंदिर ,1978

******

Course Title: आलोचक और आलोचना

Course Code: PGM-HIN-E-7

Marks: 100

Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दी आलोचना से परिचित कराया जाएगा। हिन्दी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी दी जाएगी। साथ ही यह भी बताया जाएगा कि आलोचना के प्रतिमान कौन-कौन से हैं और यह किससे प्रभावित है।

Learning Outcome:

1) हिन्दी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) आलोचना के प्रतिमानों को समझ सकेंगे।
3) हिन्दी आलोचना पर पड़े प्रभावों को समझ सकेंगे।
4) विद्यार्थियों में एक आलोचक दृष्टि विकसित होगी।
5) किसी चीज़ को लेकर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा।

Syllabus:

इकाई एक - हिंदी आलोचना का विकास : **(12 Hours)**

1. भारतेंदु युगीन आलोचना: स्वरूप एवं विशेषताएँ (गद्य विधाओं का विकास)

2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण (युगांतकारी भूमिका और' सरस्वती' पत्रिका(
3. द्विवेदी युगीन आलोचक :मिश्र बंधु एवं अन्य

इकाई दो – (12 Hours)

1.रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना। (इतिहासपरक और वैज्ञानिक आलोचना)
2.मनोवैज्ञानिक समीक्षा पद्धति: साहित्य और समीक्षा।
3.नंददुलारे वाजपेयी और स्वच्छंदतावादी आलोचना।

इकाई तीन – (12 Hours)

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : मानवतावादी और सांस्कृतिक दृष्टि।
2. प्रगतिशील आंदोलन और मार्क्सवादी आलोचना।
3. रामविलास शर्मा : प्रगतिशील आलोचना के प्रतिमान और प्रदेय

इकाई चार-1. (12 Hours)

1. मुक्तिबोध की समीक्षा पद्धति : वस्तु और शिल्प, रचना प्रक्रिया, कला के तीन क्षण।
2. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति।
3. शिवकुमार मिश्र की आलोचना दृष्टि।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्नटिप्पणियाँ- (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. रोहिताश्व ,'*आलोचना का परिप्रेक्ष्य*' ,कानपुर ,विद्या प्रकाशन ,2005
2. रोहिताश्व ,'*समकालीनता और शाश्वतता*' ,कानपुर ,विद्या प्रकाशन ,2006
3. परमानंद श्रीवास्तव ,'*आलोचना की संस्कृति*' ,नयी दिल्ली ,सामयिक प्रकाशन ,2013
4. देवीशंकर अवस्थी , '*आलोचना और आलोचना*' वाणी ,प्रकाशन ,नयी दिल्ली ,1995

5. रमेश चन्द्र शाह , *'आलोचना का पक्ष'* ,बीकानेर ,वाग्देवी प्रकाशन ,1998
6. सम्पादक प्रेम भारद्वाज ,*'नामवर सिंहः एक मूल्यांकन'* ,नयी दिल्ली ,सामयिक बुक्स ,2012

*****

Course Title: पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम
Course Code: PGM-HIN-E-8
Marks: 100
Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम की जानकारी देना। उन्हें बताना कि पत्रकारिता का विकास किस प्रकार हुआ। जनसंचार माध्यम के अंतर्गत समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, इंटरनेट आदि से परिचित कराना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे।
2) समाचार पत्र में लेखन का ज्ञान होगा।
3) रेडियो के क्रमिक विकास और उसमें लेखन का ज्ञान होगा।
4) सिनेमा एवं दूरदर्शन के उद्भव और विकास तथा उसके विविध पहलुओं से परिचित होंगे।
5) जनसंचार के विविध माध्यमों से परिचित होंगे।
6) विद्यार्थियों में रेडियो पत्रकारिता, टेलीविजन पत्रकारिता एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।

Syllabus:

इकाई एक - हिन्दी पत्रकारिता **(12 Hours)**

1. पत्रकारिता: अवधारणा एवं स्वरूप।
2. भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता।
3. द्विवेदी युगीन पत्रकारिता।
4. गांधी युगीन पत्रकारिता
5. स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता।

इकाई दो - जनसंचार माध्यम (समाचारपत्र / रोडियो) **(12 Hours)**

1. समाचार पत्र : अवधारणा एवं स्वरूप।
2. समाचार पत्र : प्रकाशन की प्रक्रिया।
3. रेडियो परिचय एवं महत्व। :

4. रेडियो आजादी से पूर्व एवं पश्चात्। :

इकाई तीन –1.सिनेमा: स्वरूप, उद्भव एवं विकास। **(12 Hours)**

2.सिनेमा : वावसाहीक एवं कला ।

3.लघु डाक्यूमेंटरी एवं कार्टून फिल्म।

4.दूरदर्शन : परिचयएवं महत्त्व।

इकाई चार - **(12 Hours)**

1.इंटरनेट :परिचय एवं महत्त्व।

2.विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप एवं विकास।

3. विज्ञापन का महत्व।

4.विज्ञापन की भाषा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न – टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ,अम्बादास देशमुख.*'प्रयोजनमूलक हिन्दी'* ,कानपुर ,शैलजा प्रकाशन ,2006
2. डॉ ,चन्द्रप्रकाश मिश्र .*'संचार एवं संचार माध्यम'* ,संजय प्रकाशन दिल्ली ,2006
3. प्रो ,हरिमोहन .*'आधुनिक जनसंचार और हिन्दी'* ,नयी दिल्ली ,तक्षशिला प्रकाशन ,2000
4. सम्पादक डॉ,दिलीप मेहरा .डॉ ,जशवंत राठवा .*'मीडिया लेखन'* ,मथुरा ,अमर प्रकाशन ,2013
5. संपादक डॉशैलजा भारद .्वाज ,*'साहित्य और सिनेमा'* ,कानपुर ,चिन्तन प्रकाशन ,2013
6. सुरेश गौतम ,वीणा गौतम ,*'हिन्दी पत्रकारिता: कलआज और कल ,'*, सत्साहित्य प्रकाशन ,दिल्ली , 2001

*****

Semester - III

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र
Course Code: PGM-HIN-C-**5**
Marks: 100
Credits: 4 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की विस्तृत जानकारी देना। इसके अंतर्गत विद्यार्थी काव्य की अवधारणा उसके तत्व और काव्य हेतुओं से परिचित होंगे और साथ ही जो विभिन्न काव्य के सिद्धान्त है उससे भी परिचित होंगे। उदाहरण के रूप में रस, अलंकार, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धान्त।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
2) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3) काव्य आस्वादन में भारतीय सिद्धांतों के महत्त्व को समझ सकेंगे।
4) साहित्यसृजन एवं समीक्षा मे-ं काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे।
5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक – काव्य का स्वरूप **(12 Hours)**

1. काव्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. काव्य के तत्व।
3. काव्य हेतु एवं प्रयोजन।

इकाई दो - काव्यालोचन के मानदण्ड (भारतीय) **(12 Hours)**

1. रस सिद्धांत : स्वरूप निष्पत्ति एवं साधारणीकरण।
2. अंलकार सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ।

इकाई तीन– 1.ध्वनि सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ। **(12 Hours)**
2.रीति सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ।

इकाई चार– 1. वक्रोक्ति सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ। **(12 Hours)**
2. औचित्य सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्नटिप्पणियाँ- (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ ,भगीरथ मिश्र .‘*काव्यशास्त्र*’ ,वाराणसी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन ,1999

2. डॉ ,योगेन्द्र प्रताप सिंह .*'भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका'* ,इलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन , 2008
3. गणपति चन्द्र गुप्त , *'भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत'* ,इलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन ,2009
4. पंडित सीताराम चतुर्वेदी , *'समीक्षा शास्त्र'* ,वाराणसी ,कृष्णदास अकादमी प्रकाशन ,1983
5. डॉ ,रामचन्द्र तिवारी .*'भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र'* ,इलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन ,1980
6. शेषेन्द्र शर्मा , *'आधुनिक काव्य शास्त्र'* ,इलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन ,1990

****

Course Title: नाटक एवं रंगमंच
Course Code: PGM-HIN-C-**6**
Marks: 100
Credits: 4 (48 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नाटक और रंगमंच की ओर जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। ऐसा करके विद्यार्थी नाटक और रंगमंच के सैद्धांतिक पक्ष और व्यावहारिक पक्ष दोनों से जुड़ेंगे।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे।
2) हिन्दी नाट्य परंपरा के क्रमिक विकास का ज्ञान होगा।
3) लोकनाट्य परंपरा से अवगत होंगे।
4) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे।
5) अभिनय कौशल में कुशलता प्राप्त करेंगे।
6) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी।
7) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - नाटक एवं रंगमंच **(12 Hours)**

1. संस्कृत नाट्य परंपरा।
2. लोकनाट्य की परंपरा
3. हिन्दी नाटक: स्वरूप एवं विकास
4. हिन्दी रंगमंच का विकास

इकाई दो -विशेष अध्ययन हेतु (निर्धारित नाटक) **(12 Hours)**

1. अंधेर नगरी भारतेन्दु हरिश्चंद्र –।
    1. 'अंधेर नगरी' का व्यंग्य।
    2. 'अंधेर नगरी' नाटक की समसामयिकता।
    3. 'अंधेर नगरी' का सामाजिक यथार्थ।
    4. नाट्य शिल्प।
2. ध्रुवस्वामिनी जयशंकर प्रसाद –।
    1. इतिहास दृष्टि एवं राष्ट्रीय चेतना।
    2. रंगमंचीयता।
    3. तात्विक मूल्यांकन।
    4. नाट्य शिल्प।

इकाई तीन– **(12 Hours)**

1. सिंदूर की होली–लक्ष्मीनारायण मिश्र।
    1. सामाजिक यथार्थ।
    2. नारीत्व की समस्या।
    3. तात्विक मूल्यांकन।
    4. नाट्य शिल्प।
2. अंधा युग – धर्मवीर भारती।
    1. अंधा युग की मिथकीय चेतना।
    2. समसामयिकता।
    3. तात्विक मूल्यांकन।
    4. नाट्य शिल्प।

इकाई चार– **(12 Hours)**

1. आधे अधूरे – मोहन राकेश।
    1. सामाजिक यथार्थ।
    2. समसामयिकता।
    3. तात्विक मूल्यांकन।
    4. नाट्य शिल्प।
2. बकरी – सरवेशवरदयाल सक्सेना।
    1. नाटक और गांधीवादी चेतना।
    2. समसामयिकता।
    3. तात्विक मूल्यांकन।
    4. नाट्य शिल्प।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40

- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
- तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्नटिप्पणियाँ- (चार में से किन्ही दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ ,एल .लीना बी.*'हिन्दी नाटक और रंगमंच'* ,मथुरा ,जवाहर पुस्तकालय ,2012
2. डॉ ,प्रेमदत्त शर्मा .*'प्रसाद साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि'* ,जयपुर ,जयपुर पुस्तक सदन ,1968
3. गिरीश रस्तोगी ,*'हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष'*इलाहाबाद ,लोक भारती प्रकाशन ,, 2002
4. डॉ ,बनवीर प्रसाद शर्मा .*'आधुनिक हिन्दी नाटक'* ,अनंग प्रकाशन दिल्ली ,2001
5. के ,नारायण .वी.*'साठोत्तर हिन्दी नाटक'*लो ,कभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद ,2007
6. डॉ ,आशाराम बेवले .*'समकालीन हिन्दी नाटकों में नारी के विविध रूप'* ,कानपुर ,समता प्रकाशन , 2006

*****

Course Title: भारतीय साहित्य
Course Code: PGM-HIN-E-9
Marks: 100
Credits: 4 (48 lectures)

Course objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं और उनके साहित्य से परिचित करना। ऐसा करके विद्यार्थी यह समझ सकेंगे कि भारत की अन्य भाषाएँ हिन्दी से किस स्तर पर जुड़ती हैं और किस स्तर पर वे अपना अलग मार्ग निर्धारित कर रही हैं।

Learning Outcome:

1) विभिन्न भाषाओं में लिखे जा रहे साहित्य से परिचित होंगे।
2) लेखकीय दृष्टि को समझ सकेंगे।
3) अन्य भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे।
4) भारतीय साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता एवं एकीकरण का भाव विकसित विकसित होगा।
5) अन्य भाषाओं के साहित्य का हिन्दी भाषा साहित्य-के साथ जुड़ाव को समझ सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक **(12 Hours)**

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. भारतीय साहित्य : मूल्य एवं विशेषताएँ।
3. भारतीय साहित्य के अध्ययनकी समस्याएँ।

इकाई दो **(12 Hours)**

1. पंजाबी साहित्य का इतिहास।
2. बांग्ला साहित्य का इतिहास।
3.

इकाई तीन **(12 Hours)**

1. अनूदित कविता-संग्रह(पंजाबी):'बीच का रास्ता नहीं होता', पाश(भारत**,** सच**,** दो और दो तीन**,** हम लड़ेंगे साथी**,** घास**,** मैं अब विदा लेता हूँ**,** अपनी सुरक्षा से**,** तुम्हारे बगैर**,** बेदखली के लिए विनयपत्र**,** सबसे ख़तरनाक**),** अनु° चमनलाल।

इकाई चार **(12 Hours)**

1. गोरा : रवींद्रनाथ टैगोर (बांग्ला)
    1. मूल संवेदना।
    2. तात्विक मूल्यांकन।
    3. भाषा और शिल्प।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
    - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
    - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।
2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
    - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12

- दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- पाँचवाँ प्रश्नटिप्पणियाँ- (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय साहित्य, डॉनगेंद्र ., प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली,2004
2. भारतीय साहित्य, डॉ° मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,2009
3. बांग्ला और उसका साहित्य, हंस कुमार तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,
4. बंगला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉसत्येंद्र ., प्रकाशन शाखा, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश,1961
5. बांग्ला साहित्य का इतिहास, सुकुमार सेन, अनु वृज किशोर वर्मा .'मणिपद्म', प्र .सं .1984
6. गोरा, रवींद्रनाथ टैगोर, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2012
7. डॉ ,राधाकृष्णन .' *भारतीय दर्शन '*, राजपाल एण्ड सन्स ,दिल्ली ,1966
8. पंजाबी साहित्य का नवीन इतिहास, ज्ञानेंद्र, आशा प्रकाशन गृह, नयी दिल्ली,1964
9. बीच का रास्ता नहीं होता- पाश, अनु° चमनलाल, राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली,2006

****

Course Title: **प्रयोजनमूलक हिन्दी**
Course Code: PGM-HIN-E-10
Marks: 100
Credits: 4 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी से परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है। विद्यार्थी यह समझ पाएगें कि आज के युग में साहित्य के साथ साथ प्रयोजनमूलक हिन्दी का भी महत्वबढ़ रहा है।-विद्यार्थियों को यह भी ज्ञात होगा कि हमारे संविधान में हिन्दी को क्या स्थान दिया गया है और वास्तविक रूप में आज उसकी क्या स्थिति है।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे।
2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) रोजगार की प्राप्ति की दिशा में कुशलता प्राप्त करेंगे।
4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्राचार में सक्षम होंगे।
5) हिन्दी के प्रचारप्रसार में इंटरनेट की भूमिका को समझ सकेंगे।-

Syllabus:

इकाई एक - प्रयोजनमूलक हिन्दी **(12 Hours)**

1. परिभाषा, स्वरूप एवं व्यवहार क्षेत्र।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।
3. राजभाषा: स्वरूप एवं विकास।

इकाई दो –राजभाषा **(12 Hours)**

1. राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान
    1. अनुच्छेद 343-344 संघ की राजभाषा एवं संसद का आयोग एवं समिति
    2. अनुच्छेद 345-347 राज्य की राजभाषा या राजभाषाएँ

3. अनुच्छेद 348 न्यायालय से संबंधित भाषा
4. अनुच्छेद 349-350 भाषा संबंधी कुछ अधिनियमित विशेष प्रक्रिया
5. अनुच्छेद 351 हिन्दी का प्रचार प्रसार
6. राष्ट्रपति के निर्देश 1952,1955,1960
7. राजभाषा आयोग।
8. संसदीय समिति।
9. राजभाषा क्रियान्वयन की व्यावहारिक समस्याएँ।

इकाई तीन - राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य - कार्यालयीन हिन्दी **(12 Hours)**

1. प्रारूपण (कार्यालयीन ज्ञापन, कार्यालयीन आदेश, कार्यालयीन अनुस्मारक, परिपत्र, अधिसूचना)
2. टिप्पण।
3. संक्षेपण।
4. पल्लवन।

इकाई चार –

1. पारिभाषिक शब्दावली **(12 Hours)**

- स्वरूप, महत्व एवं भेद।
- प्रमुख सिद्धांत एवं समस्याएँ।
- प्रशासनिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली।

2. इंटरनेट और हिन्दी

- यूनिकोड, ब्लाग, ई-मेल, वेबसाइट।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्नटिप्पणियाँ- (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ ,अम्बादास देशमुख .*‘प्रयोजनमूलक हिन्दी’* ,कानपुर ,शैलजा प्रकाशन ,2006
2. जोगेन्द्र सिंह ,*‘राजभाषा हिन्दीः विश्व संदर्भ’* ,नयी दिल्ली ,वत्सल प्रकाशन ,2003

3. विनोद गोदरे ,*‘प्रयोजनमूलक हिन्दी’* ,नयी दिल्ली ,वाणी प्रकासन ,2007
4. डॉ ,प्रसन्नकुमारी .जे .सी .*‘राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम’*अम ,न प्रकाशन ,कानपुर ,2009
5. डॉ ,नागलक्ष्मी .सु .*‘संचारकम्प्यूटर और प्रयोजनमूलक हिन्दी जगत ,सूचना ,’* ,जवाहर पुस्तकालय , ,मथुरा2012
6. डॉ ,अनिल कुमार तिवारी .*‘प्रयोजनशील हिन्दी’* ,कानपुर ,विश्वभारती प्रकाशन ,2004

****

Course Title: **आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि**
Course Code: PGM-HIN-E-**11**
Marks: 100
Credits: 4 (48 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिकता से जोड़ना है। वे समझेंगे कि आज हमारा जो आधुनिक साहित्य है उसके मूल में कौनकौन सी विचारधाराएँ पृष्ठभूमि के - रूप में कार्य कर रही हैं।

Learning Outcome:

1) साहित्य की वैचारिकता से जुड़ सकेंगे।
2) साहित्य में निहित विचारधाराओं से परिचित हो सकेंगे।
3) साहित्य के सभी वादों और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
4) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे।
5) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंतसंबंध को समझेंगे। :
6) विभिन्न आंदोलनों का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(12 Hours)**

1. भारतीय दर्शन परंपरा और पुनर्जागरण: स्वरूप एवं प्रभाव (वैदिक वाङ्मय, भारतीय दर्शन, भक्ति आंदोलन, आधुनिक नवजागरण)
2. मार्क्सवाद: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व।

इकाई दो -

1.गांधीदर्शन :अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व। **(12 Hours)**
2.मनोविश्लेषण वाद: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व।

इकाई तीन –

1.अस्तित्वाद :अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व। **(12 Hours)**
2.अम्बेडकर वाद: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व।

इकाई चार -1**.** समाजवादी दर्शन : अवधारणा,स्वरूप एवं महत्त्व। **(12 Hours)**

2.स्त्रीवादी चिंतन : अवधारणा,स्वरूप एवं महत्त्व।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40

- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
- तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
    - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
    - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
    - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
    - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
    - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉविनय कुमार ., मित्तल एंड संस, दिल्ली-110092, संस्करण-2009
2. डॉ ,पारसनाथ मिश्र .*'मार्क्सवाद और उपन्यासकार यशपाल'* ,इलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन , 1972
3. डॉ ,चंदा गिरीश .*'अस्तित्ववादी हिन्दी कहानी'*दिव्य डिस्ट ,्रिव्यूटर्स ,कानपुर ,2009
4. डॉ ,रामविलास शर्मा .*'प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ'* ,आगरा ,विनोद पुस्तक मंदिर ,1957
5. डॉ ,कुसुम पटोरिया .*'युग प्रणेता अंबेडकर'* ,नागपुर ,विश्वभारती प्रकाशन ,2004
6. क्षमा शर्मा ,*'स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य'* ,नयी दिल्ली ,राजकमल प्रकाशन ,2002
7. रामधारी सिंह दिनकर , *'चिन्तन के आयाम'* लोकभारती ,प्रकाशन ,इलाहाबाद ,

Course Title: हिन्दी भाषा, लिपि ,व्याकरण एवं सर्वेक्षण
Course Code: PGM-HIN-E-12
Marks: 100
Credits: 4 (12 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा, लिपि और व्याकरण का ज्ञान कराना ताकि वे वाक्य रचना करने में और आवश्यकता पड़ने पर बोलने में दक्षता प्राप्त कर सकें। विद्यार्थियों को सर्वेक्षण के क्षेत्र में भी आत्मविश्वास पैदा कराना और ऐसा करके हिन्दी के प्रति उनमें रूचि पैदा कराना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे।
2) देवनागरी लिपि के विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा।
3) हिन्दी की वर्णरचना से परिचित होंगे।-व्यवस्था एवं रूप-
4) विद्यार्थियों में भाषा कौशल का विकास होगा।
5) सर्वेक्षण के माध्यम से स्थानीय भाषा एवं संस्कृति को समझ सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - हिन्दी भाषा का इतिहास (12 Hours)

1. प्राचीन भारतीय आर्य भाषा : वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत
2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश।
3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और हिंदी।

इकाई दो - लिपि **(12 Hours)**

1. देवनागरी लिपि : उद्भव एवं विकास।
2. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।
3. देवनागरी लिपि: वर्तनी का मानकीकरण
4. कंप्यूटर और इंटरनेट देवनागरी लिपि का अनुप्रयोग और प्रभाव। :

इकाई तीन - व्याकरण **(12 Hours)**

भाषा और व्याकरण

1. शब्द साधन : विकारी एवं अविकारी शब्द का सामान्य परिचय
2. हिन्दी की रूप रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास के आधार पर रूपान्तरण
3. संज्ञा क्रिया ,विशेषण , सर्वनाम ,का रूपान्तरण
4. हिंदी वाक्य रचना : पदक्रम एवं अध्याहार

इकाई चार - भाषा एवं संस्कृति सर्वेक्षण **(12 Hours)**

1. सर्वेक्षण का स्वरूप, प्रविधि एवं प्रक्रिया (सैद्धांतिक पक्ष – 4 lect)
2. दस घंटे की रिपोर्ट (व्यावहारिक पक्ष 8 lect)
   Note - भाषा और संस्कृति से संबंधित विषय पर किसी स्थान विशेष का शब्दों में 5000 सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1.आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40

- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत विद्यार्थी भाषा एवं संस्कृति से संबंधित विषय पर किसी स्थान विशेष का 5000 शब्दों का सर्वेक्षण रिपोर्ट तौयार करेंगे।

2.सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)

- पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- पाँचवाँ प्रश्नटिप्पणियाँ - (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग, रमेशचंद्र महरोत्रा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,2019
2. भोलानाथ तिवारी , '*भाषा विज्ञान*' ,इलाहाबाद ,किताब महल ,1951
3. कामता प्रसाद गुरू , '*हिन्दी व्याकरण*' ,नागपुर ,मराठी प्रकाशन-हिन्दी ,2009

4. डॉ ,विजय लक्ष्मण वर्धे .*‘हिन्दी व्याकरण’* ,कोल्हापुर ,फडके बुकसेलर्स ,1992
5. डॉ ,रामप्रकाश .*‘मानक हिन्दीः स्वरूप एवं संरचना’* ,नयी दिल्ली ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,1991
6. डॉ ,नरेश मिश्र .*‘भाषा और भाषा विज्ञान’* ,दिल्ली ,निर्मल पब्लिकेशन्स ,2001
7. डॉ ,ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह .*‘हिन्दी व्याकरण’* ,नयी दिल्ली ,नमन प्रकाशन ,2009
8. देवनागरी लिपि तथा हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण**,** केंद्रीय हिन्दी निदेशालय**,** भारत सरकार**,** 1989

******

<u>Semester – IV</u>

Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र
Course Code: PGM-HIN-C-7
Marks: 100
Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की विस्तृत जानकारी देना। इससे विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे जैसे प्लेटो का काव्य सिद्धांत, अरस्तू, टी.एस. एलियट, आदि का काव्य सिद्धान्त, जिसके माध्यम से बिम्ब, प्रतीक आदि की जानकारी देना।

Learning Outcome:

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी।
3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा की विविध प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(12 Hours)**

1. प्लेटो - काव्य सिद्धांत
2. अरस्तू - अनुकरण, विरेचन एवं त्रासदी
3. लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा

इकाई दो - **(12 Hours)**

1. मैथ्यू अर्नाल्ड - काव्य सिद्धान्त
2. क्रोंचे - अभिव्यंजनावाद
3. टी .एस.एलियट - निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

इकाई तीन - प्रमुख काव्य सिद्धान्त **(12 Hours)**

1. अभिजात्यवाद
2. स्वच्छंदतावाद
3. बिंबवाद
4. प्रतीकवाद

इकाई चार - **(12 Hours)**

1. आधुनिकतावाद
2. उत्तर आधुनिकतावाद
3. संरचनावाद
4. उत्तर संरचनावाद

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा, *'पाश्चात्य काव्यशास्त्र',* वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली ,2008
2. गणपतिचन्द्र, *'गुप्त भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त',*लोकभारतीय प्रकाशनइलाहाबाद ,, 2009
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ, सत्यदेव मिश्र,लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र कोश, सत्यदेव मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,2019
5. गोपीचंद नारंग, *'संरचना एवं उत्तरसंरचनावाद',*साहित्य अकादमी ,दिल्ली ,2004
6. पंडित सीताराम चतुर्वेदी, *समीक्षा शास्त्र,* कृष्णदास अकादमी प्रकाशन, वाराणसी, 1983
7. शेषेन्द्र शर्मा, *आधुनिक काव्यशास्त्र,* लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990
8. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, *भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र,* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1980
9. पाश्चात्य काव्य चिंतन, डॉ॰ करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,2016

*****

Course Title: आधुनिक गद्य (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)
Course Code: PGM-HIN-C-8
Marks: 100
Credits: 04 (48 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को उपन्यास, कहानी, नाटक एवं निबंध की जानकारी देना। साथ ही उन्हें प्रत्येक विधा की एक – एक रचना से परिचित कराना। इन विधाओं में साहित्यकार किन प्रश्नों को उठाता है उससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।

Learning Outcome:

1) गद्य की प्रतिनिधि विधाओं से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थियों को रचनाओं के माध्यम से समाज की विभिन्न स्थितियों का ज्ञान होगा तथा उनमें संवेदनशीलता विकसित होगी।
3) व्यावहारिक दृष्टि विकसित होगी।

4) विद्यार्थी सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - नाटक – माधवी, भीष्म साहनी (12 Hours)

इकाई दो - उपन्यास – धरती धन न अपना, जगदीशचंद्र (12 Hours)

इकाई तीन - चिन्तामणि भाग-1 (निर्धारित पाँच निबंध: श्रद्धा-भक्ति, लोभ और प्रीति, क्रोध, कविता क्या है), आचार्य रामचंद्र शुक्ल। (12 Hours)

इकाई चार –कहानी– अस्मितामूलक विमर्श केंद्रित कहानियाँ (12 Hours)

1. अपना गाँव - मोहनदास नैमिषराय।
2. हरी बिंदी - मृदुला गर्ग।
3. रात बाकी - रणेन्द्र।
4. जीना तो पड़ेगा- अब्दुल बिस्मिल्लाह।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल,'*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', लोकभारती प्रकाशनइलाहाबाद ,,2009
2. डॉबच्चन सिंह .,'*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास*',राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली ,2004
3. डॉइन्द्रनाथ मदान .,'*आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास*',राजकमल प्रकाशनदिल्ली ,,1973
4. डॉगोपाल राय .,'*हिन्दी उपन्यास का इतिहास*',राजकमल प्रकाशनदिल्ली ,,2010
5. डॉविभुराम मिश्र .,'*प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार*',अभिनव भारती प्रकाशनइलाहाबाद ,, 1975
6. डॉपुष्पपाल सिंह .,'*समकालीन कहानी - युगबोध का संदर्भ*', नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,1986
7. डॉसुरेंद्र चौधरी .,'*हिन्दी कहानी - प्रक्रिया और पाठ*', राधाकृष्ण प्रकाशननई दिल्ली ,,1995

*****

Course Title: मीडिया लेखन
Course Code: PGM-HIN-C-13
Marks: 100
Credits: 04 (48 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को मीडिया लेखन की जानकारी देना, दूरदर्शन, रेडियो, जिसमें समाचार पत्र लेखन इंटरनेट आदि प्रमुख हैं। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को साहित्य के अलावा प्रयोजनमूलक हिन्दी से जोड़ना और उन्हें रोजगार हेतु प्रवृत्त करना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।
2) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे।
3) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा।
4) रोजगार की दृष्टि से सिनेमालेखन से परिचित होंगे।-
5) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - समाचार पत्र लेखन **(12 Hours)**
(समाचार लेखन, संपादकीय, विज्ञापन लेखन, फीचर लेखन)

इकाई दो - रेडियो लेखन **(12 Hours)**
(रेडियो समाचार, रेडियो नाटक, रेडियो विज्ञापन, रेडियो वार्ता)

इकाई तीन - टेलिविजन लेखन **(12 Hours)**
(समाचार, धारावाहिक, रूपक, विज्ञापन, वृत्तचित्र

इकाई चार - सिनेमा लेखन **(12 Hours)**
(पथकथा लेखन, संवाद लेखन, साहित्यिक कृतियों का फिल्मांकन)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
- तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
- पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- पाँचवाँ प्रश्नटिप्पणियाँ- (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विनोद गोदरे, *प्रयोजनमूलक हिन्दी*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
2. डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमारी, *राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम*, अमन प्रकाशन, कानपुर,2009
3. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, *मीडिया और साहित्य*, अमन प्रकाशन, कानपुर ,2010
4. डॉ. शांति विश्वनाथन, *मीडिया और साहित्य*, अमन प्रकाशन,कानपुर ,2009
5. सत्यदेव त्रिपाठी, *समकालीन फिल्मों के आइने में समाज*, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2013
6. डॉ. श्याम कश्यप, *टेलीविजन की कहानी राजकमल प्रकाशन*, नयी दिल्ली, 2008

*****

Course Title:स्त्री विमर्श
Course Code: PGM-HIN-E-14
Marks: 100
Credits: 04 (48 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को स्त्री विमर्श की अवधारणा नारीवादी आन्दोलन और नारी लेखन, की भूमिका से अवगत कराना है। साथ ही लेखिकाओं द्वारा लिखित कविता, कहानी, उपन्यास, आत्मकथा से परिचित कराना है।

Learning Outcome:

1) नारी आंदोलन एवं उसमें नारी लेखन की भूमिका से अवगत होंगे।
2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे।
3) स्त्री की दशा एवं उनके संघर्षमय लेखन से परिचित होंगे।
4) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे।
5) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे।
6) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक - सैद्धांतिक पक्ष **(12 Hours)**

1. स्त्री विमर्श की अवधारणा।
2. स्त्री विमर्श की पृष्ठभूमि।
3. नारीवादी आंदोलन भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ –।
4. हिन्दी में नारी लेखन का स्वरुप और विकास।

इकाई दो –उपन्यास- चाक, मैत्रेयी पुष्पा **(12 Hours)**

इकाई तीन – कविता- अनामिका **(12 Hours)**

बेजगह, स्त्रियाँ, एक औरत का पहला राजकीय प्रवासतुलसी ,घूंघट के पट खोल रे ,हरियाली है , आम्रपाली ,बीजगणित ,का झोला। (कुल 8 कविताएँ)

इकाई चार - आत्मकथा प्रभाखेतान – अन्या से अनन्या **(12 Hours)**

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12

- पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉजगदीश्वर चतुर्वेदी ., '*स्त्री विमर्श*' ,अनामिका पब्लिशर्सनई दिल्ली ,,2000
2. सुमन राजे, '*हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास*' ,भारतीय ज्ञानपीठनई दिल्ली ,,2004
3. राधा कुमार, '*स्त्री संघर्ष का इतिहास*', वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली ,2002
4. प्रभा खेतान, '*उपनिवेश में स्त्री*', राजकमल प्रकाशन ,नईदिल्ली ,2003
5. ममता जैतलीश्री प्रकाश शर्मा ,,'*आधी आबादी का संघर्ष*'नईदिल्ली ,राजकमल प्रकाशन ,,2006
6. क्षमा शर्मा, '*स्त्रीत्ववादी विमर्शसमाज और साहित्य* -'नईदिल्ली ,राजकमल प्रकाशन ,,2008

****

Course Title: गद्य की अन्य विधाएँ
Course Code: PGM-HIN-E-15
Marks: 100
Credits: 04 (48 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम में गद्य की मुख्य विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाओं को पाठ्यक्रम में रखा गया है। इन विधाओं में आत्मकथा, डायरी, यात्रा वृतांत और जीवनी प्रमुख हैं। इन सभी की विद्यार्थियों को जानकारी देना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे।
2) संस्मरण और यात्रावृतांत लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे।-
3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास क्रम-को समझेंगे।
4) अन्य विधाओं के अद्यतन साहित्य से जुड़ सकेंगे।

5) विद्यार्थियों में सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा।

Syllabus:

इकाई एक –आत्मकथा: **(12 Hours)**
क्या भुलूँ क्या याद करूँ हरिवंशराय बच्चन –।

इकाई दो - डायरी: **(12 Hours)**
एक साहित्यिक की डायरी- मुक्तिबोध।

इकाई तीन – यात्रावृतांत: **(12 Hours)**
मेरी तिब्बत यात्रा- राहुल सांकृत्यायन।

इकाई चार –जीवनी: **(12 Hours)**
प्रेमचंद घर में - शिवरानी देवी।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं – प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी आत्मकथा साहित्य का अनुशीलनडॉ॰ हरिवंशराय बच्चन के विशेष सं)दर्भ में(, डॉ॰ विजया, शब्द सृष्टि प्रकाशन, नई मुंबई,2008
2. महामानव महापंडितराहुल सांकृत्यायन :, कमला सांकृत्यायन, नयी दिल्ली,
3. मुक्तिबोध की समीक्षाई, अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,2003
4. डॉ ,ब्रिजपाल सिंह गहलोत .'*मुक्तिबोध के काव्य में युग चेतना*' ,कानपुर ,विद्या प्रकाशन ,2016
5. प्रेमचंद की आत्मकथा, मदन गोपाल, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली,2002

6. कलम का मजदूर, मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2006
7. प्रेमचंद और उनका युग, डॉ° रामविलाश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2008
8. राहुल सांकृत्यायन :'घुमक्कड़ शास्त्र' और यात्रावृत्त, डॉ° जानकी पाण्डेय, ज्ञान भारती प्रकाशन, नयी दिल्ली,2001

*****

Course Title: शोध प्रविधि
Course Code: PGM-HIN-E-16
Marks: 100
Credits: 04 (48 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को शोध प्रक्रिया से परिचित कराना। शोध के समय क्याक्या समस्याएँ आती हैं उनकी - जानकारी देना। शोध की रूपरेखा तैयार कराना। शोध कार्य के विभिन्न क्षेत्रों से उन्हें अवगत कराना। साथ ही आज हिन्दी में शोध की क्या स्थिति है उसके बारे में बताना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी शोध की पूरी प्रक्रिया से अवगत होंगे।
2) शोध के दौरान आने वाली समस्याओं के प्रति जागरूक होंगे।
3) शोध के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान होगा।
4) विद्यार्थी भविष्य में शोध कार्य में प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक–1.शोध का स्वरूप एवं महत्व **(12 Hours)**
2.शोध और आलोचना
3.शोध छात्रों की योग्यता
4.शोध एवं साहित्य
5.शोध के प्रकार (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, साहित्यिक एवं साहित्येतर शोध)

इकाई दो - शोध पद्धति एवं प्रक्रिया **(12 Hours)**

शोध पद्धति – मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, भाषा वैज्ञानिक, और तुलनात्मक पद्धति

शोध प्रक्रिया – शोध की समस्या, शोध विषय का चयन, सामग्री संकलन एवं स्रोत (प्रकाशित-अप्रकाशित सामग्री, पुस्तकालय, संदर्भ ग्रंथ, पाण्डुलिपियों का संकलन और उपयोग, साक्षात्कार, प्रश्नावली)

इकाई तीन - शोध कार्य विभाजन एवं - कम्प्यूटर अनुप्रयोग **(12 Hours)**

(शोध की समस्या, शोध की रूप रेखा, प्रस्तवना, अध्याय विभाजन, शोध शीर्षक, मुकया भाग, विवेचन, विश्लेषण, उपसंहार, संदर्भ- सूची, पाद टिप्पणी, परिशिष्ट, टंकण लेखन, वर्तनी सुधार

इकाई चार - लघु शोध प्रकल्प लेखन **(12 Hours)**

(अधिकतम 10000 शब्दों का लघु शोध प्रकल्प)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1.आंतरिक मूल्यांकन – पूर्णांक 40

- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत विद्यार्थी अधिकतम 10000 हजार शब्दों का लघु शोध प्रकल्प तैयार करेंगे।

2.सत्रांत परीक्षा – पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)

- पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. रावत खंडेलवाल,‘*शोधप्रविधि और प्रक्रिया -*’, जवाहर पुस्तकालय मथुरा,1976
2. डॉ. रावत खंडेलवाल,‘*शोध तत्व और दृष्टि*’, जवाहर पुस्तकालय मथुरा,1976
3. डॉराजेन्द्र मिश्र .,‘*अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया*’ ,तक्षशिला प्रकाशननई दिल्ली,,2012
4. डॉविजयपाल सिंह .,‘*हिन्दी अनुसंधान*’ ,लोकभारती प्रकाशनइलाहाबाद ,,2007
5. डॉ. मधुकर पाडवी, *साहित्य चिंतन : समीक्षा एवं शोध*, अमन प्रकाशन कानपुर,2010
6. डॉ. विनयमोहन शर्मा, *शोध प्रविधि,* नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली, 2008

******